International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 6.882, Volume 05, No. 02(III), April - June, 2023, pp. 247-249

मानव संसाधन विकास की अवधारणा

पिंकी*
डॉ. तरूण कुमार यादव**

सार

मानव संसाधन विकास मानव पूंजी में निवेश के माध्यम से विकास की प्रक्रिया है, जो दर्शाती है कि मानव राष्ट्र के आर्थिक विकास का मूल्यांकन करने के लिए संपत्ति के रूप में व्यवहार कर सकता है। मानव संसाधन विकास मानव के समग्र विकास अर्थात मानसिक और शारीरिक क्षमताओं का समर्थन करता है। यह मनुष्य को अपने कौशल को बढ़ाने में मदद करता है, जो मनुष्य को अधिक उत्पादन करने के लिए सशक्त बनाता है।

शब्दकोषः *मानव संसाधन, विकास।*

प्रस्तावना

मानव के समग्र विकास के पीछे दो पहलू मानदंड, हैं।

- शिक्षा प्राप्ति
- स्वास्थ्य उपलब्धि

संसाधन के इष्टतम उपयोग के लिए मानव संसाधन विकास को आवश्यक माना जाता है क्योंकि पूंजी संसाधन के रूप में मानव अपने पेशेवर, तकनीकी और प्रशासनिक कौशल का विकास करता है और भौतिक संसाधनों का वास्तविक उपयोग करता है। वह प्रक्रिया जिसके माध्यम से लोग अपनी क्षमताओं को बढ़ाकर अपनी पसंद को समृद्ध करते हैं, मानव विकास कहलाती है। या यूं कहें कि मानव विकास या तो प्रक्रिया हो सकता है या अंत। मानव का विकास लोगों की तीन आवश्यक क्षमताओं को समृद्ध करता है जो आगे बढ़ती हैं।

- स्वस्थ और लंबी जीवन प्रत्याशा।
- अर्जित ज्ञान के माध्यम से शैक्षिक प्राप्ति।
- सभ्य जीवन स्तर के लिए संसाधनों का इष्टतम उपयोग।

उपरोक्त क्षमताओं के अलावा, मानव विकास में मूल्य, सुरक्षा, भागीदारी, मानवाधिकार स्थिरता, उत्पादकता और रचनात्मक क्षमता का विस्तार, सशक्तिकरण, आत्म–सम्मान और शांतिपूर्ण समाज भी शामिल है। अध्ययन के बाद यह देखा गया, मानव विकास लोगों का विकास है, लोगों और लोगों द्वारा. बेहतर स्वास्थ्य, कौशल, ज्ञान और अवकाश, सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक मामलों के बीच संतुलन के लिए मानव विकास अपरिहार्य था।

---

* शोध छात्रा, भूगोल विभाग, श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टिबड़ेवाला विश्वविद्यालय, झुंझुनूं, राजस्थान।
** भूगोल विभाग, श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टिबड़ेवाला विश्वविद्यालय, झुंझुनूं, राजस्थान।

मानव विकास लोगों की पसंद का विस्तार है, जो पैसे को विकास के साधन के रूप में दर्शाता है, न कि साध्य के रूप में। मानव विकास राष्ट्र की आय में वृद्धि या गिरावट से कहीं घना है। बल्कि यह मानव को उसकी पूरी क्षमता से विकसित करने के लिए एक वातावरण को बढ़ावा देता है। इसलिए मनुष्य अपनी रुचि और आवश्यकता के अनुसार उत्पादक और रचनात्मक जीवन का आनंद ले सकता है। मनुष्य राष्ट्र की वास्तविक संपत्ति है और इसका विकास जीवन बनाता है और विकास आय जीवन बनाने का एक साधन मात्र है।

मानव विकास रिपोर्ट

मानव विकास रिपोर्ट मानव विकास के लिए कार्य का परिचय देती है, जो लोगों की पसंद को बढ़ाती है और अवसर प्राप्त करने का आश्वासन देती है। मानव विकास के लिए कार्य में यह शामिल है कि हर किसी को पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण भुगतान वाले कार्य के अवसर मिले और लोगों को उन तक आसानी से पहुंचने की आवश्यकता है। मानव संसाधन विकास नई तकनीक से संबंधित है, ताकि लोग अपने काम और सपनों के जीवन का विस्तार और चयन कर सकें। मानव संसाधन विकास द्वारा किया जा सकता है।

- नए और बेहतर कार्य का सृजन
- उभरते अवसरों को प्राप्त करने के लिए कौशल, ज्ञान और दक्षता का निर्माण करके लोगों की क्षमताओं में सुधार करना।

2015 की इस रिपोर्ट में मानव विकास सतत कार्य से संबंधित है। सतत कार्य मानव विकास को बढ़ावा दे सकता है। अगर काम होना चाहिए

- उन्मूलन या कमी के माध्यम से नकारात्मक परिणाम से मुक्त।
- वर्तमान में अवसरों का विस्तार करें और भविष्य में भी ऐसे ही अवसर बनाए रखें।

कार्य और मानव विकास एक साथ जुड़े हुए हैं क्योंकि–

- कार्य की गुणवत्ता जबकि कार्य की गुणवत्ता मानव विकास का महत्वपूर्ण आयाम है।
- नीतियां जो उत्पादकता, पारिश्रमिक और उद्यमी बनने के अवसरों का विस्तार करती हैं।
- ऐसी नीतियां जो गरीबी और असमानता में कमी, सामाजिक एकता, मानवाधिकार, संस्कृति और सभ्यता जैसे पर्यावरणीय और सामाजिक उद्देश्यों को लाभ पहुंचाती हैं।

बदले में, मानव विकास श्रमिकों के कौशल, क्षमता और सुरक्षा, मानव अधिकार और भलाई को बढ़ा सकता है, जो काम को दर्शाता है और मानव विकास एक दूसरे के साथ जुड़े हुए हैं।

भेदभाव और हिंसा जैसे कुछ कारक हैं, जो मानव विकास में बाधा डालते हैं, जैसे शक्ति के दुरुपयोग का जोखिम, असुरक्षा और महिलाओं की स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता की हानि, बाल श्रम, बल श्रम, श्रम तस्करी। मानव विकास रिपोर्ट 2015 लोगों को केंद्र में लाती है, परिवर्तन के लिए दृष्टिकोण विकास की पूर्व शर्त है, जो मानव प्रगति लाता है। मानव विकास को पूरा करने के लिए मानव विकास सूचकांक की घनी जरूरत है। मानव विकास सूचकांक आय से ऊपर मानव भलाई का आकलन है। यह ऊपरी सीमा एक के साथ तीन सूचकांकों का ज्यामितीय माध्य है।

यूएनडीपी एक पैमाने का निर्माण करता है, जिसके आधार पर विभिन्न देश उच्च, मध्यम और निम्न विकसित देशों के अंतर्गत आते हैं। देशों के भीतर मानव विकास सूचकांक मूल्यों को अलग–अलग करना, पुष्टि करता है कि कई लोग अस्वीकार्य रूप से उच्च अभाव के साथ रहते हैं, भले ही उनके देश में मानव विकास सूचकांक मूल्य और रैंक में सुधार हुआ प्रतीत होता है। दुनिया में विभाजन से पता चलता है कि दुनिया की आबादी का हर तीसरा व्यक्ति कम मानव विकास वाले देशों में रहता है, जो शिक्षा, स्वास्थ्य और आय से वंचित हैं।

मानव विकास राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सभी व्यक्तिगत लोगों के लिए है जिसका अर्थ है, मनुश्य विकास की सार्वभौमिकता। सार्वभौमिकता मानव विकास की कुंजी है और सभी को मानव विकास की उपलब्धि की आवश्यकता होनी चाहिए।

2016 मानव विकास रिपोर्ट ने विश्वव्यापी समाज को तीन मूलभूत बातें बतायी हैंः

- मानव विकास की सार्वभौमिकता के मार्ग को कवर करने के लिए मानवता को बहुत काम करने की आवश्यकता है। इसमें से कुछ मार्ग अधिक कठिन होंगे और इसे अंतिम रूप देना आसान नहीं है, हालांकि विभिन्न विकल्प उपलब्ध हैं।
- मानव कल्याण के बीच असमान वितरण है। उनमें से कुछ आगे हैं जबकि कुछ पीछे रह गए हैं।
- मानव विकास की सार्वभौमिकता ग्रह, शांति और लोगों के बीच संतुलन पर जोर देती है।

मानव विकास मानवीय एकता को अभिव्यक्त करता है, इसका मतलब है कि अत्यधिक विकसित लोग पिछड़ रहे, लोगों की मदद करेंगे। मानव विकास अब और दूर तक पूरे विश्व में मानव जीवन के हर क्षेत्र में मानव का उदारीकरण, सराहना और मानव क्षमताओं का विकास है। मानव विकास को एक सतत और टिकाऊ प्रक्रिया माना गया है, जिसके माध्यम से प्रत्येक मानव जीवन समृद्ध और शांतिपूर्ण विश्व के निर्माण के लिए समृद्ध होता है।

मानव विकास मनुष्य के लिए अपनी प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने की स्वतंत्रता की सीमा के बारे में है। मानव विकास दो प्रकार की स्वतंत्रताओं को परिभाषित करता है।

- भलाई की स्वतंत्रता (क्षमताओं का विकास)
- आवाज की स्वतंत्रता और स्वायत्तता

निष्कर्ष

मानव विकास लोगों के विकल्पों को समृद्ध करने की एक प्रक्रिया है। यह उद्देश्य, प्रक्रिया और परिणामों से संबंधित है। इसका तात्पर्य उन प्रक्रियाओं से है, जो लोगों के जीवन और आर्थिक विकास को आकार देती हैं। यह लोगों के जीवन को आकार देने और बेहतर बनाने में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से लोगों की क्षमताओं को विकसित करने के लिए मानव कल्याण दृष्टिकोण है।

प्रबंधकीय परिप्रेक्ष्य में मानव संसाधन विकास नियोजित निरंतर तरीके से कर्मचारियों के समग्र विकास में सहायता प्रदान करता है। मानव संसाधन विकास उनके वर्तमान और भविष्य के कार्यों को पूरा करने की क्षमताओं को तेज करता है। मानव संसाधन विकास आदमी की सामान्य क्षमताओं को बढ़ाता है, जो उनके खुद के और संगठन के विकास की सीढ़ी को बढ़ाता है। मानव संसाधन विकास टीम वर्क, सहयोग, प्रेरणा और कर्मचारी के गौरव की संस्कृति को आगे बढ़ा सकता है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. दत्ता रुद्दार (2002), ह्यूमन डेवलपमेंट एंड इकोनॉमिक डेवलपमेंट (एड), डीप एंड डीप पब्लिकेशंस प्राइवेट। लिमिटेड नई दिल्ली।
2. ड्रेज जीन, अमर्त्य सेन (1997), इंडियन डेवलपमेंट सेलेक्टेड रीजनल पर्सपेक्टिव्स, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली।
3. ड्रेज जीन, अमर्त्य सेन (1998), भारत आर्थिक विकास और सामाजिक अवसर, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली।
4. एरिक रोल (1973), ए हिस्ट्री ऑफ इकोनॉमिक थॉट, फैबर एंड फैबर लिमिटेड लंदन।

❖◆❖